जिले में कोरबा में बाक्साइट (एल्यूमिनियम का अयस्क) के लिए खनन आरंभ किया गया है।

भारत एल्यूमिनियम कंपनी लि० (बाल्को) सरगुजा जिले में मैनपत स्थित निक्षेपों में बाक्साइट खान का विकास करना आरंभ कर दिया है। कंपनी की राजनन्दगांव के निक्षेपों का विकास करने की योजना भी है।

हाल ही में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने बेतुल जिले में खेरली बाजार क्षेत्र में 6.48% जस्ता युक्त 0.85 मिलियन टन जस्ता अयस्क और जबलपुर जिले में इमालिया क्षेत्र में सीसा और चांदीयुक्त 0.98% तांबा अंश वाले 0.81 मिलियन टन तांबा अयस्क के संभावित भंडार का अनुमान लगाया है। अभी तक ये निक्षेप विदोहन के लिए तकनीकी-आर्थिक दृष्टि से लाभप्रद नहीं पाए गए हैं।

बिहार का अभ्रक उद्योग

1652. **श्री कामेश्वर पासवान** : क्या **खान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में लोकप्रिय बिहार का अभ्रक उद्योग बंद होने के कगार पर है और अधिकतर खानें बंद हो चुकी हैं;

(ख) क्या यह भी सच है कि भारतीय अभ्रक व्यापार निगम (मिटको) ने इस उद्योग को कोई विशेष लाभ नहीं पहुंचाया है बल्कि इसके विपरीत भारत सरकार को 988 करोड़ रुपये मूल्य की विदेशी मुद्रा से हाथ धोना पड़ा है;

(ग) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं और इस संबंध में ब्यौरा क्या है;

(घ) सरकार इस उद्योग को इस स्थिति में उबारने के लिये क्या कदम उठायेगी; और

(ङ) अभ्रक उद्योग के उत्थान के लिये गठित उच्च अधिकार प्राप्त समिति द्वारा इस संबंध में क्या-क्या सिफारिशें की गई थीं और इस समिति की सिफारिशों पर सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की गई है ?

खान मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अलराम सिंह यादव) : (क), (घ) और (ङ) देश में अभ्रक उद्योग संश्लिष्ट प्रतिस्थापनों द्वारा अभ्रक का स्थान लिए जाने के कारण समस्याओं का सामना कर रहा है, जिससे उसकी मांग पर प्रभाव पड़ा है। इन समस्याओं को समाप्त करने के लिए किए गए उपाय हैं : बेहतर कीमत सुनिश्चित करने के लिए अभ्रक स्क्रैप की खरीद नीति में सुधार करना; मूल्य वर्धित अभ्रक आधारित उत्पादों का उत्पादन करने वाले उद्योगों को प्रोत्साहन देना; उच्च अधिकार प्राप्त समिति का गठन। इस समिति की मुख्य सिफारिशों में अन्य के अलावा, मिटको प्रबंध-मंडल का पुनर्गठन और उसे पुक्ति-संगत बनाना, निर्यातों के लिए प्रोत्साहन देना, पट्टा अवधि की सुनिश्चितता, अभ्रक का वैज्ञानिक खनन तथा न्यूनतम निर्यात कीमतों में वृद्धि करना शामिल है। यद्यपि मिटको का मामला बी०आई०एफ०आर० को भेजा गया है इसलिए राज्य सरकार को सलाह दी गई है कि वह खनन पट्टे के नवीकरण के काम को शीघ्रता से निपटाये। अभ्रक स्क्रैप को छोड़कर अभ्रक का निर्यात विसरणीकृत किया गया है।

(ख) जी नहीं।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।

बेन्टोनाइट का उत्पादन

1653. **श्री सतीश प्रधान** : क्या **खान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगी कि :

(क) देश में बेन्टोनाइट की कुल क्षमता कितनी है ;

(ख) बेन्टोनाइट का इस समय राज्य-वार कुल कितना उत्पादन होता है; और

(ग) गत एक वर्ष के दौरान कुल कितनी मात्रा में बेन्टोनाइट का निर्यात किया गया और इसके निर्यात से कितनी विदेशी मुद्रा अर्जित हुई ?

खान मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अलराम सिंह यादव) : (क) 1-4-1990 की स्थिति के अनुसार देश में बेन्टोनाइट के कुल स्थानिक **भंडार** 369.40 मिलियन टन हैं।

(ख) बेन्टोनाइट का राज्य-वार कुल उत्पादन इस प्रकार है :

मात्रा टन में

राज्य	1989-90	1990-91
बिहार	2,000	7,880
गुजरात	182,742	204,124
राजस्थान	61,600	30,200

(ग) 1991-92 में कुल 76,857 टन बेन्टोनाइट का निर्यात किया गया और उससे 5.40 करोड़ रु० की विदेशी मुद्रा अर्जित हुई।

सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा खानों का सर्वेक्षण

1654. **श्री अजीत जोगी**
चौधरी हरि सिंह :

क्या **खान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगी कि :

(क) देश में खानों में खनन और सर्वेक्षण कार्य में लगे सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों का ब्यौरा क्या है ;

(ख) गत तीन वर्षों के दौरान इस पर प्रतिवर्ष किये गये व्यय का ब्यौरा क्या है :

(ग) क्या सरकार ने इस प्रयोजनार्थ कोई विदेशी सहायता ली है ;

(घ) यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान इस संबंध में कुल कितनी धन-राशि व्यय की गई है ; और

(ङ) क्या यह भी सच है कि गत तीन वर्षों के दौरान खनन संबंधी उपकरणों का आयात किया गया था और यदि हां, तो इस पर कितनी धनराशि व्यय की गई ?

खान मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अलराम सिंह यादव) : (क) भारत सरकार, खान मंत्रालय के अधीन निम्नलिखित सरकारी उपक्रम खनन और गवेषण कार्य कर रहे हैं :—

1. नेशनल एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (नाल्को)
2. हिन्दुस्तान कापर लिमिटेड (एच सी एल)
3. हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड (एच जैड एल)
4. भारत गोल्ड माइंस लिमिटेड (बी जी एम एल)
5. भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बाल्को)
6. खनिज गवेषण निगम लिमिटेड (एम ई सी एल)

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान खान मंत्रालय के अधीन सरकारी उपक्रमों द्वारा किए गए कार्य का ब्यौरा नीचे दिया गया है :—

(लाख रु० में)

क्रमांक	उपक्रम का नाम	किया गया व्यय		
		1990-91	1991-92	1992-93
1.	नाल्को	1484.00	1026.00	1575.00
2.	एच सी एल	4893.00	5506.00	5049.00
3.	एच जैड एल	168.46	216.01	150.47
4.	बी जी एम एल	102.39	189.13	544.82
5.	बाल्को	61.68	8.07	119.38
6.	एम ई सी एल	889.00	1359.00	1521.00

(ग) भारत-फ्रांस प्रोटोकाल के अंतर्गत, सरकार ने फ्रांस के बी० आर० जी० एम० से सहायता प्राप्त की है, जिन्होंने खनिज गवेषण निगम लि० के साथ देश में हीरा और टिन-टंगस्टन निक्षेपों का आकलन किया है ।

हिन्दुस्तान कापर लिमिटेड ने मध्य प्रदेश में मलांजखंड निक्षेपों के गवेषण/विदोहन के लिए साध्यता अध्ययन करने के लिए 1989 में जापान के मैसर्स बिशी मेटल को नियुक्त किया है । इस अध्ययन के लिए धन जापान के ओ० ई० सी० एफ० द्वारा दिया गया था

(घ) पिछले तीन वर्षों के दौरान खनिज गवेषण निगम लि० द्वारा व्यय की गई राशि इस प्रकार है :—

1990-91	—	09.00 लाख रु०
1991-92	—	97.00 लाख रु०
1992-93	—	83.96 लाख रु०

(ङ) पिछले तीन वर्षों के दौरान सरकारी उपक्रमों द्वारा उपकरणों के आयात पर व्यय की गई राशि इस प्रकार है :—

पिछले तीन वर्षों के दौरान व्यय की गई राशि

(लाख रु० में)

1990-91	1991-92	1992-93
15.48	79.88	14.69

Production of Lead and Aluminium

1655. **SHRI SUSHIL KUMAR SAMBHAJIRAO SHINDE** : Will the Minister of MINES be pleased to state :

(a) whether it is a fact that cumulative production of lead and aluminium in April-June this year has witnessed a sharp decline as compared to corresponding period last year ;

(b) if so, the unit-wise and month-wise comparative production figures for lead and aluminium during the last two years ; and

(c) the steps taken by Government to ensure growth of production and export of these metals ?